बिहार में सहकारी समितियों द्वारा लिया गया ऋण

1623. श्री क० लि० मधुकर : क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1966-67 में बिहार में सहकारी समितियों ने अन्य राज्यों की तुलना में कितना ऋण लिया ;

(ख) क्या बिहार में व्याप्त अकाल को दृष्टि में रखते हुए, सरकार का विचार सहकारी समितियों के माध्यम से पिछले वर्षों की अपेक्षा अधिक धन देने का है; और

(ग) यदि हां, तो वर्ष 1967-68 के लिये बिहार में सहकारी समितियों को केन्द्रीय सरकार कितना ऋण दे रही है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) 30 जून, 1967 को समाप्त होने वाले सहकारी वर्ष के लिए भारत के रिजर्व बैंक ने बिहार राज्य सहकारी बैंक को केन्द्रीय सहकारी बैंकों की ओर से कृषि कार्यों हेतु धन सुलभ करने के लिए 428 लाख रुपए की अल्पकालीन ऋण सीमा मंजूर की। इस बात का पता कि वास्तव में कितने रुपए का उपयोग किया गया तथा कितना बकाया रहता है, 30 जून, 1967 के बाद लगेगा।

(ख) और (ग). केन्द्रीय सरकार सहकारी समितियों को ऋण वितरित करने के लिए सीधे कोई धन नहीं देती है। राज्य सरकार को सलाह दी गई है कि वह सहकारी समितियों के सदस्यों की कृषि उत्पादन से सम्बन्धित ऋण आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सहकारी वर्ष 1967-68 के लिए ऋण सीमा हेतु सहकारी बैंकों के प्रार्थना-पत्र रिजर्व बैंक को भेजें। जहां तक गैर-सदस्यों का सम्बन्ध है, राज्य सरकार तकावी ऋण दे सकती है जिसके लिए केन्द्रीय सरकार से आंशिक प्रतिपूर्ति उपलब्ध होगी। केन्द्रीय सरकार ने बिहार राज्य सहकारी बैंक की कृषि ऋण स्थिरीकरण निधि को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार को 50 लाख रुपए (12.5 लाख रु० ऋण, 37.5 लाख रुपए अनुदान) की सहायता दी है ताकि सहकारी समितियां अकालग्रस्त क्षेत्रों में काश्तकारों के अतिदेय अल्पकालीन ऋणों को मध्यकालीन ऋणों में परिवर्तित कर सकें जिससे सदस्य-काश्तकार आने वाले मौसम के लिए नये ऋण प्राप्त करने के हकदार बन जाएंगे।

बिहार में झीलों का विकास

1624. श्री क० लि० मधुकर : क्या पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार के चम्पारन जिले में पर्यटन सम्बन्धी महत्व की कुछ झीलें और रम्यस्थल हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इन स्थलों के विकास के लिये कोई सर्वेक्षण किया है;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इस दिशा में अब तक कोई कार्यवाही न की जाने के क्या कारण हैं ?

पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) और (ख). बिहार में चम्पारन जिले की पर्यटन सम्बन्धी सम्भावनाओं का मूल्यांकन करने के लिए अभी तक कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) देश में ऐसे स्थान बड़ी संख्या में हैं जिनको कि पर्यटक केन्द्रों के रूप में विकसित किये जाने की पर्याप्त संभाव्यता है। लेकिन सीमित साधनों को दृष्टि में रखते हुए अब तक

स्थानों का एक साथ विकास अथवा सर्वेक्षण तक कर सकना सम्भव नहीं है। पर्यटक स्थलों के विकास की योजनाएं पर्यटकों के लिए उनके द्वारा आकर्षण के आधार पर तथा राज्य सरकारों के परामर्श से चुनी जाती हैं।

Vaccine for Cattle

1625. **Shri Nathu Ram Ahirwar:**
Shri G. C. Dixit:
Shri Y. S. Kushwah:
Shri J. Sundar Lal:

Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether Government are taking any steps to obtain additonal machines for the production of FDRD Vaccines for protecting cattle against rinderpest; and

(b) if so, the present position in this regard and where these machines are likely to be installed?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) Yes.

(b) To meet the demand from the State Governments, five new Freeze Drying Machines are being procured. Foreign exchange to the extent of Rs. 4.40 lakhs (including spare parts for existing units) has been released and the concerned State Governments informed.

The machines when imported will be installed at the following vaccine production Centres:—

(i) Ranipet (Madras), (ii) Lucknow (U.P.), (iii) Mhow (M. P.), (iv) Hyderabad (A.P.), and (v) Bhubaneshwar (Orissa).

विमान चालक का लाइसेंस प्राप्त करने के लिये विमान चलाने के घंटों की शर्त

1626. श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री एस० एम० बोबी :

क्या पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वाणिज्यिक लाइसेंस प्राप्त विमान चालकों के लिये "विमान चलाने के कुल कितने घंटों" के अनुभव की आवश्यकता है ताकि उन्हें पूर्ण चालक के रूप में मान्यता दी जा सके ;

(ख) विमान चलाने के इन घंटों का अनुभव प्राप्त करने के लिये कितने वर्ष अपेक्षित हैं;

(ग) क्या सरकार का विचार प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विमान चालकों को दी जाने वाली अनुदान की राशि को कम करने का है; और

(घ) यदि हां, तो कितनी कमी की जायेगी तथा उसके क्या कारण हैं ?

पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) और (ख). व्यावसायिक विमान चालक लाइसेंसों के तीन वर्ग हैं; अर्थात् वाणिज्यिक विमान चालक लाइसेंस, प्रवर वाणिज्यिक विमान चालक लाइसेंस, तथा हवाई कम्पनी परिवहन विमान चालक लाइसेंस। ये लाइसेंस जारी किये जाने के लिए आवश्यक उड़ान विषयक अनुभव तथा अन्य शर्तें 1937 के वायुयान नियमों की अनुसूची II के खण्ड "डी", "ई" और "एफ" में दी गयी हैं। उच्चतम वर्ग, अर्थात् 'हवाई कम्पनी परिवहन विमान चालक लाइसेंस' के लिये आवेदक को लाइसेंस के आवेदन-पत्र की तारीख से ठीक पहले पांच वर्षों के भीतर एक विमान चालक के रूप में उड़ान-काल के कम से कम 1500 घंटे सन्तोषप्रद रूप से पूरे कर चुके होने का प्रमाण देना पड़ता है।